

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2012

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ताजिक शास्त्र)

- वर्ष 2012 फलादेश के लिए बृहस्पतिवार 23 जनवरी 1977 को सांय 4.28 बजे इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में जन्में जातक का वर्ष कुण्डली बनायें।
- त्रिपताका चक्र के क्या सिद्धान्त है? वर्षफल में त्रिपताकी से किस प्रकार फलादेश किया जाता है?
- निम्न कुण्डली के लिए हर्षबल की गणना करें।  
मुन्या-वृषभ, लग्न-वृषभ 29:48, सूर्य-वृश्चिक 17:58, चन्द्र-मीन 11:19  
मंगल-सिंह 16:48, बुध (व)-वृश्चिक 17:36, बृहस्पति (व)-मेष 07:07  
शुक्र-धनु 15:53, शनि-तुला 02:02, राहु-वृश्चिक 20:16  
(जन्म 3.12.1953, 21:10, दिल्ली)
- निम्न प्रश्नों के उत्तर दें।  
(क) बन्धन सहम (ख) कार्य सिद्धि सहम  
(ग) नवत योग (घ) मनाऊ योग
- शार्ङ्ग के अनुसार प्रश्न 3 में दिए नवग्रहों के क्या परिणाम हैं?

### भाग-II (मुहूर्त)

- शिक्षा प्रारम्भ तथा गृह प्रवेश मुहूर्त निकालते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?
- निम्न के लिए किन तथ्यों को ध्यान में रखना चाहिए :-  
(क) व्यापार मुहूर्त, बृहत् स्तर पर  
(ख) राज्यनिषेक मुहूर्त.  
(ग) तृतीय ऋण
- सही या गलत  
(क) ज्येष्ठ शुक्ल द्वितीया तिथि शुभ परिणाम देती है।  
(ख) जय तिथी (3,8,13) यदि बुधवार को पड़ती है, तो यह सिद्ध योग है।  
(ग) सोमवार का देवता शिव है।  
(घ) प्राकृतिक रूप से पुनर्वसु नक्षत्र स्थिर नक्षत्र है।  
(ङ) हर्षन योग शुभ योग है।  
(च) जन्म नक्षत्र रोहिणी के लिए, पुनर्वसु, विशाखा और पूर्व भाद्र क्षेम तारा हैं।  
(छ) गृह प्रवेश मुहूर्त में यदि बृहस्पति चतुर्थ भाव में है तो शुभ होता है।  
(ज) कन्या लग्न में मंगल द्वितीय भाव में विराजमान होने पर मंगल दोष नहीं होता है।  
(झ) सूर्य के गोचर नक्षत्र से सत्रहवां नक्षत्र विवाह मुहूर्त के लिए शुभ है।  
(ञ) अष्टम चंद्र व चतुर्थ बृहस्पति से बालारिष्ट योग बनता है।
- विवाह मुहूर्त तय करने के लिए ज्योतिषीय आधार क्या हैं?
- शुभ मुहूर्त का चुनाव हम क्यों करते हैं? शुभ मुहूर्त के चुनाव से क्या परिणामों को बदला जा सकता है?